समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

Operation Sindoor: संस्कृत श्लोक, ऑपरेशन सिंदूर का लोगो और PM मोदी का कड़ा संदेश ; पाकिस्तान को सीधी चेतावनी

Sanket Morankar
Published on 07 May 2026

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को आज एक वर्ष पूरा हो गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर विशेष संदेश साझा करते हुए भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और पराक्रम को सलाम किया। उन्होंने अपने प्रोफाइल पर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो लगाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति का संदेश दिया।

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया था। इसके बाद 7 मई 2025 को भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकवादी ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की थी।

इस अभियान में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। भारतीय सेना की इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादियों के मारे जाने का दावा किया गया था। साथ ही पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने X पर संस्कृत श्लोक साझा करते हुए भारतीय सेना के मनोबल और क्षमता की सराहना की। उन्होंने लिखा—

"उदीर्णमनसो योधा वाहनानि च भारत।
यस्यां भवन्ति सेनायां ध्रुवं तस्यां जयं वदेत्...।"

इस श्लोक का अर्थ है कि जिस सेना का मनोबल ऊंचा हो और जिसके पास मजबूत संसाधन एवं हथियार हों, उसकी विजय निश्चित होती है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि "ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने अद्भुत साहस, सटीकता और वीरता का प्रदर्शन किया। निर्दोष भारतीयों पर हमला करने वालों को करारा जवाब दिया गया। भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।"

प्रधानमंत्री ने तीनों सेनाओं के आपसी तालमेल और समन्वय की भी प्रशंसा की और कहा कि इस ऑपरेशन ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक नीति को दुनिया के सामने मजबूत तरीके से प्रस्तुत किया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.